

मसाधारण EXTRAORDINARY

भाग II— लाण्ड 3— उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 222] No. 222] नई विल्लो, बृथवार, धर्मल 26, 1972/वेशाख 6, 1894 NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 26, 1972/VAISAKHA 6, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April 1972

S.O. 317(E).—Whereas under sub-section (1) of section 72 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), read with sub-section (3) thereof, the Punjab University, constituted under the Punjab University Act, 1947 (East Punjab Act VII of 1947), shall, on and from the 1st day of November, 1966, continue to function and operate in those areas in respect of which it was functioning and operating immediately before that day, subject to such directions as may, from time to time, be issued by the Central Government, until other provision is made by law in respect of the said University;

And whereas under sub-section (2) of section 72, any such direction may include a direction that any law by which the said University is governed shall, in its application to that University, have effect subject to such exceptions and modifications as may be specified in the direction;

And whereas consequent on the direction issued by the Central Government under Section 72 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), the said Punjab University has ceased to function and operate in the areas of the districts of Patiala, Sangrur, Bhatinda and Rupar in the State of Punjab, vide notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, No. S.O. 3748, dated the 12th September, 1969;

And whereas consequent on the passing of the Gurunanak University Amritsar Act, 1969 (Punjab Act XXI of 1969), the said Punjab University has, with effect from the 30th day of June, 1970, ceased to function and operate in the districts of Amritsar, Gurdaspur, Jullundur and Kapurthala, vide Punjab Government notification No. 2201-4 Ed. 1-70/7147, dated the 16th March, 1970;

And whereas consequent on the direction issued by the Central Government under section 72 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), the said Punjab University has with effect from the 22nd day of July, 1970, ceased to function and operate in the areas included in the Union territory of Himachal Pradesh (as it was then called), vide notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, No. S.O. 2527, dated the 22nd July, 1970:

And whereas consequent on the passing of the Punjab Legislative Council (Abolition) Act, 1969 (46 of 1969), the Punjab Legislative Council has been abolished with effect from the 7th day of January, 1970;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-sections (2) and (3) of the said section 72, the Central Government hereby directs—

(1) that the Punjab University Act, 1947 (East Punjab Act VII of 1947) shall have effect subject to the following further modifications, namely:—

Modifications

In section 13 of the Punjab University Act, 1947 (East Punjab Act VII of 1947), in sub-section (1),—

- (i) for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:-
 - "(a) fifteen shall be elected by the Registered Graduates from amongst themselves, among whom--
 - (i) two shall be elected to represent the districts of Ferozepur, Hoshiar-pur and Ludhiana in the State of Punjab, two to represent the State of Haryana and one to represent the Union territory of Chandigarh; and
 - (ii) the remaining ten shall be elected from any area including any of the areas mentioned in sub-clause (i);"
- (ii) for clauses (d) to (f), the following clauses shall be substituted, namely:—
 - "(d) three shall be elected by the Principals of Technical and Professional Colleges from amongst themselves, among whom one shall be elected to represent the districts of Ferozepur, Hoshiarpur and Ludhiana in the State of Punjab, one to represent the State of Haryana and one to represent the Union territory of Chandigarh and three shall be elected by the staff of such colleges from amongst themselves, among whom one shall be elected to represent the districts of Ferozepur, Hoshiarpur and Ludhiana in the State of Punjab, one to represent the State of Haryana and one to represent the Union territory of Chandigarh;
 - (e) eight shall be elected by the Heads of affiliated Arts Colleges from amongst themselves, among themselves, among whom three shall be elected to represent the districts of Ferozepur, Hoshiarpur and Ludhiana in the State of Punjab, four to represent the State of Haryana and one to represent the Union territory of Chandigarh;
 - (f) eight shall be elected by the Professors. Senior Lecturers and Lecturers of Affiliated Arts Colleges from amongst themselves, among whom three shall be elected to represent the districts of Ferozepur, Hoshiarpur and Ludhlana in the State of Punjab, four to represent the State of Haryana and one to represent the Union territory of Chandigarh;" and
- (iii) in clause (i), the words ", one shall be elected by the members of the Punjab Legislative Council from amongst themselves" shall be omitted; and
- (2) that nothing contained in this notification shall be deemed to affect the term of office of the Ordinary Fellows holding office as such immediately before the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. F. 17/34/71-SR.] K. R. PRABHU, Jt. Secy.

गृह **मंत्रासय** श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 25 भ्रप्नैंल, 1972

का॰ ग्रा॰ 317 (ग्र).—यतः पंजाव पुनगंठन श्रधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 72 की उपधारा (3) के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (1) के प्रधीन पंजाब विश्वविद्यालय श्रधिनियम, 1947 (1947 का पूर्वी पंजाब श्रधिनियम (vii) के श्रधीन गठित पंजाब विश्वविद्यालय, जब तक उक्त विश्वविद्यालय के बारे में विधि द्वारा ग्रन्य उपबन्ध न किया जाए, तव तक उन कोलों में, जिनकी बाबत यह 1 नवम्बर 1966 के

ठीक पहले कार्य करना था, उक्त दिन से, ऐसे निदेशों के ग्रधीन रहते हुए, जो केन्द्रीय सरक र द्वारा समय समय पर दिए जाएं, कार्य करता रहेगा ;

श्रीर यतः धारा 72 की उप-धारा (2) के श्रधान ऐसे किसी निदेश में कोई ऐसा निदेश सिम्मिलित हो सकेगा कि कोई विधि, जिसके द्वारा उक्त विश्वविद्यालय शासित होता है, उस विश्वविद्यालय को उसके लागू होने में ऐसे श्रथवादों श्रीर उपन्तरणों के श्रधीन रहते हुए प्रभावी होगा, जो निदेश में विनिदिष्ट हों ;

श्रीर यतः पंजाब पुनर्गठन श्रधिनियम, 1966 (1966 क 31) की धारा 72 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा दिए निदेश के परिणामस्यका उक्त पंजाब विश्वविद्यालय का, पंजाब राज्य के पटियाला संगक्षर मिटिडा श्रीर रोपड़ जिजों के क्षेत्रों में कार्य करना समाप्त हो नाम है भारत माफ र के गृह महात्मा की श्रिधिनूबना संग्र का जार 3748, नारीख 12 मित्मबर, 1969 देखिए;

श्रीर यतः गुरू नानक विश्वविद्यालय श्रमृतसर श्रितियम, 1969 (1969 का पंजाब श्रिक्षित्यम XXI) के पारित होते के परिणास्वरूप उन्त पंजाब वि विवद्यालय का, 30 जून, 1970 मे श्रमृतसर, गुरदासपुर, जालन्धर श्रीर कपूरथना जिलों में कार्य करना समाप्त हुंगया हैं, पंजाब सरकार की श्रिक्षित्वना स 3 2201-4 शिक्षा 1-70/7147 तारीख 16 मार्व 1970 देखिए;

श्रीर यतः पंजाब पुःर्ग न श्रविनियम 1966 (1966 का 31) की धारा 72 के श्रवीन केन्द्रीय सरकार द्वारा दिए गए िदेग के परिणामः बरूप उक्त पंजाब विश्वविद्यालय का 22 जुलाई, 1970 में हिमाचल प्रदेश संघ राज्यक्षेत्र में (जैसा कि उस समय वह कहा जाता था) सम्मिलित क्षेत्रों में कार्य करना समाप्त हो गया है, भारत सरकार के गृह मंत्रालय की श्रिधिसूचना, मंठ काठ श्राठ 2527, तारीख 22 जुलाई, 1970 देखिए;

श्रीर यतः पंजाब विधान परिषद (उत्पादन) ग्रिधिनियम, 1969 (1969 का 46) के पारित होने के परिणामस्वरूप पंजाब विधान परिषद को 7 जनवरी, 1970 से उत्सादित कर दिया गया है ;

श्रत:, श्रब, उक्त धारा 72 को उनधारा (2) श्रौर (3) के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि—

(1) पंजाब विश्वविद्यालय श्रधितियम, 1947 (1947 का पूर्वी पंजाब श्रधितियम vii) तिम्तिलिखित श्रीर आगे उपन्तरणों के श्रधीन रहते हुए, प्रभावी होगा, श्रशीत :---

उपान्तरस

पंजाब विश्वविद्यालय श्रिधिनियम, 1947 (1947 का पूर्वी पंजाब श्रीधिनियम vii) की धारा 13 में, उपधारा (1) में,---

- (i) खण्ड (क) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथित :---
 - "(क) र्राजस्ट्रीकृत स्नातकों द्वारा, स्वयं श्रयने में से, पन्द्रह निर्वाचित किए जाएंगे, जिनमें से—
 - (1) दो पंजाब राज्य के फिरोजपुर.होशियारपुर श्रौर लुधियाना, जिलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए, दो हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व

करने के लिए और एक चंड़ीगढ़ संघ राज्यक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचित किया जाएगा ; ग्रौर

- (ii) बाकी दस किसी क्षेत्र से, जिसमें उपखण्ड (i) में वर्णित क्षेत्रों में से कोई क्षेत्र सम्मिलित हैं, निर्वाचित किए जाएंगे;";
- (ii) खण्ड (घ) से (च) तक के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे प्रयति :--
- "(घ) तकनीकी श्रीर वृत्तिक महाविद्यालयों के प्रधानाचायों द्वारा, स्वयं अपने में में, तीन निर्वाचित किए जाएंगे, जिनमें में एक पंजाब राज्य के फिरोजपुर, होणियारपुर श्रीर लुधियाना जिलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए, एक हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्रीर एक चंडीगढ़ संघ राज्यक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचित किया जाएगा श्रीर तीन ऐसे महाविद्यालयों के कर्मचारियृत्व, द्वारा, स्वयं श्रपने में से निर्वाचित किए जाएंगे, जिनमें से एक पंजाब राज्य के फिरोजपुर, होणियारपुर श्रीर लुधियाना जिलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए, एक हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्रीर एक चंडीगढ़ संघ राज्यक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचित किया जाएगा:
- (ङ) संबद्ध कला महाविद्यालयों के प्रमुखों द्वारा, स्वयं अपने में से, प्राठ निर्वाचित किए जाएंगे, जिनमें से तीन जाब राज्य के फिरोजपुर, होश्रियारपुर ख़ौर लुधियाना जिलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए, चार हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए ख्रौर एक चंडीगढ़ संघ राज्यक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचित किया जाएगा ;
- (च) संबद्ध कला महाविद्यालयां के श्राचार्यों, ज्येष्ट प्राध्यापकों श्रीर प्राध्यापकों द्वारा, स्वयं श्रपने में मे, श्राठ निर्वाचित किए, जाएंगे, जिनमें में तीन पंजाब राज्य के फिरोजपुर, होशियारपुर श्रीर लुधियाना जिलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए, चार हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्रीर एक चंडीगढ संघ राज्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचित किया जाएगा ; श्रीर
- (iii) खण्ड (i) में, "पंजाब विधान परिषद के सदस्यों द्वारा, स्वयं श्रपने में से, एक निर्वाचित किया जाएगा" णब्दों का लोप किया जाएगा; श्रीर
- (2) इस ग्रिधिसूचना की किसी भी बात से यह नहीं समझा जाएगा कि राजपत्न में इस ग्रिधिसूचना के प्रकाशन की तारीख के ठीक पहले इस श्रकार पदधारण करने वाले सामान्य ग्रध्यताग्रों की पदाविध को वह प्रभावी करती हैं।

[सं० फा॰ 17/34/71~राज्य पू०] के० भ्रार० प्रभु, संयुक्त सिंघव ।